

28/10/25

पञ्चदली पेशा दूही कोइ उपस्थित कही
माया ह्ये धार-धार आपजि लागणे से
बापजुर कोइ उपस्थित कही माया ह्ये अदम
पैकी अदम हारी ये पञ्चदली धारि की
जाली ह्ये नंभर से कम धा

आरेण सुगंता गम्भ

By
उपखण्ड अधिकारी
सूरतगढ़ (राज.)

GCMG
2019/00094

